हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 19 जनवरी 2026

11 विकसित भारत जी राम जी योजना से किसानों को...

12 वरिष्ठ नागरिकों ने की शहर की ज्वलंत...

## खबर संक्षेप

### आश्रम में रह रहे व्यक्ति की अचानक मौत

**मंडी अटेली।** अटेली खंड के गांव अटेली स्थित एक आश्रम में रह रहे 55 वर्षीय व्यक्ति की अचानक मौत हो गई। मृतक की पहचान शिव जन्म के रूप में हुई है, जो राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का निवासी था। वह 17 सितंबर को तारानगर आश्रम बंद होने के बाद अटेली गांव के शांतिकुंज प्रबुद्ध निवास आश्रम में आकर रहने लगा था और स्वयं को अनाथ बता रहा था। आश्रम संचालक पवन राठौड़ ने बताया कि शनिवार दोपहर को उसने भोजन किया था। शाम करीब चार बजे चाय के समय वह अचेत मिला, जिसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अटेली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

### सिहमा में ग्रामसभा की बैठक आज

**मंडी अटेली।** पंचायत विभाग के निर्देशानुसार जिले में ग्रामसभा की विशेष बैठकें जारी हैं। सरकार के नए नियम के अनुसार ग्राम सभा की बैठक में गांव की आबादी का 40 प्रतिशत ग्रामीणों को जुटाना सरपंचों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं है। सिहमा की सरपंच सुमन देवी ने बताया कि आज 19 जनवरी सोमवार को 11 बजे नजदीक पंजाब नेशनल बैंक ग्राम सचिवालय में ग्राम सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में पंचायत विभाग, लोक निर्माण विभाग, कृषि विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग के अलावा अन्य विभागों के कर्मचारी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

### हनुमान चालीसा पाठ 22 जनवरी को

**नारनौल।** अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर की तीसरी वर्षगांठ के पावन अवसर पर आजाद चौक युवा संगठन की ओर से आजाद चौक परिसर को दीपों व सजावटी सामग्री से भव्य रूप से सजाया जाएगा। संगठन के प्रधान लोकेश शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर भगवान श्रीराम की भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा तथा हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी किया जाएगा। यह आयोजन 22 जनवरी सायं 6:15 बजे आजाद चौक परिसर में आयोजित किया जाएगा।

### नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 को

**नारनौल।** 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई जाएगी। इस उपलक्ष्य में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल समिति के प्रधान एवं पूर्व प्राचार्य मास्टर सज्जन सिंह यादव ने बताया कि उनकी समिति पिछले 22 वर्षों से नेताजी के विचारों एवं कार्यों को आमजनता के बीच रेखांकित करती आ रही है। समिति की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नीरपुर में 21 जनवरी को लंबी छलांग एवं गोला फैंक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

### दो सालों से चल रहा सड़क मार्ग का निर्माण, अब तक भी नहीं हुआ पूरा

# नारनौल-धौलेड़ा रोड: विकास की राह में धूल और गड्ढे, ड्राइवरों की परेशानी

**गांव ताजीपुर में लॉजिस्टिक हब वाली क्रॉसिंग की जगह, धौलेड़ा गांव एवं मेघोत के पास अब भी अधूरी है सड़क**

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले की सबसे महत्वपूर्ण और राजस्व देने वाली सड़कों में शामिल नारनौल-धौलेड़ा रोड बीते एक साल से अधूरी पड़ी है। करीब दो साल पहले शुरू हुआ इस सड़क का निर्माण कभी बजट तो कभी अन्य प्रशासनिक कारणों के चलते बार-बार बाधित होता रहा।

नतीजा यह है कि आज यह मार्ग आज भी आधा-अधूरा ही तैयार हो पाया है तथा यह मार्ग स्थानीय लोगों, वाहन चालकों और किसानों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बन चुका है।

बता दें कि नारनौल-धौलेड़ा रोड का निर्माण कार्य लगभग दो वर्षों से चल रहा है और अब तक पूरी तरह से कंपलीट नहीं हो पाया है। इसकी दूसरी लगभग 16 किलोमीटर

नारनौल। अधूरी सड़क में वाहन गुजरने पर उड़ती धूल। फोटो : हरिभूमि

है, लेकिन करोड़ों की लागत से बनाए जा रहे इस मार्ग में धौलेड़ा गांव के अंदर अब भी पुराने सीमेंट के चौके जमे हुए हैं।

यह सड़क अंतिम छोर पर धौली पहाड़ी मेघोत के पास भी अधूरी है, जिससे इस मार्ग पर चलने वाले वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों का जीना मुश्किल हो गया है। बजट की कमी या अन्य प्रशासनिक कारणों से बार-बार रुकने वाला यह कार्य मेघोत के पास अब भी निर्माणाधीन है।

#### एरिया सबसे ज्यादा देता है राजस्व

गौरतलब है कि नारनौल-नांगल चौधरी रोड पर नई मंडी के पास से निकलकर यह मार्ग धौलेड़ा की ओर नांगल चौधरी रोड को जोड़ता है। यह इलाका माइनिंग क्षेत्र होने के कारण जिले में सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले मार्गों में गिना जाता है। दिन-रात खनन सामग्री से लदे डंपर इसी सड़क से गुजरते हैं। माइनिंग के जरिए जिला प्रशासन और सरकार को करोड़ों रुपये का राजस्व मिलता है, लेकिन इसके बावजूद सड़क को एक साल से अधूरा छोड़ दिया जाना कई सवाल खड़े करता है। इस सड़क निर्माण का टेंडर धर्मपाल एंड कंपनी को दिया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार और संबंधित विभाग की लापरवाही के कारण काम समय पर पूरा नहीं हो पाया। कई बार काम शुरू हुआ, फिर अचानक बंद हो गया। न तो निर्माण की गति में तेजी लाई गई और न ही अधूरे हिस्सों पर अस्थायी मरम्मत की कोई ठोस व्यवस्था की गई।

#### यह बोले एसडीओ

पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ नरेंद्र यादव ने बताया कि इस सड़क का निर्माण फिलहाल मेघोत के पास चला हुआ है। धौलेड़ा गांव में भी इसका निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही लॉजिस्टिक हब क्रॉसिंग वाली जगह पर भी एकतरफ की पट्टी बना दी गई है। अब शीघ्र ही दूसरी पट्टी का निर्माण भी किया जाएगा और जहां भी सड़क अधूरी है, उसे पूरा किया जाएगा, ताकि लोगों को परेशानी न हो।

#### यहां है गंभीर स्थिति

*सबसे गंभीर स्थिति ताजीपुर गांव में जोहड़ के समीप देखने को मिलती है, जहां यह सड़क लॉजिस्टिक हब के मार्ग को क्रॉस करती है। इस क्रॉसिंग के दोनों ओर सड़क अधूरी छोड़ दी गई है। अधूरे हिस्सों में बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं और जरा-सी हवा चलने एवं वाहनों के गुजरने पर धूल के गुबार उड़ने लगते हैं। दिन-रात गुजरने वाले डंपरों और भारी वाहनों के कारण हालात और भी बदतर बने हुए हैं। स्थानीय वाहन चालकों का कहना है कि इस मार्ग से गुजरना अब जोखिम भरा हो गया है। रात के समय गड्ढे नजर नहीं आते, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है। इससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह सड़क किसी परीक्षा से कम नहीं है। धूल उड़ने की समस्या सिर्फ चालकों तक सीमित नहीं है। आसपास के खेतों में खड़ी फसलों पर धूल की मोटी परत जम जाती है, जिससे फसलों की पैदावार प्रभावित हो रही है। गांव के लोग सांस संबंधी बीमारियों, आंखों में जलन और एलर्जी जैसी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं।*

#### यह बोले ग्रामीण

ग्रामीणों पूर्व सरपंच जगमाल सिंह यादव, मास्टर भूपसिंह यादव, जिलेसिंह नंबरदार, जगदीश यादव, राजेश यादव समेत अनेक गणमान्य लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए। साथ ही जब तक सड़क पूरी नहीं होती, तब तक गड्ढों को भरकर धूल नियंत्रण के उपाय किए जाएं, ताकि हादसों और स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सके।

### नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का मामला

# कोर्ट ने दोषी को सुनाई पांच साल की सजा

**नारनौल।** जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट, पॉक्सो) केपी सिंह की अदालत ने नाबालिग बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के मामले में आरोपित को दोषी करार दिया और उसे पांच वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई। न्यायालय ने दोषी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत पांच वर्ष कठोर कारावास के साथ-साथ 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि का भुगतान न करने की स्थिति में दोषी को अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना पड़ेगा। वर्ष 2025 सितम्बर माह में नाबालिग के परिजन की शिकायत पर निजामपुर पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137, 351(3) और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत ठोस सबूतों और गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपित को भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत दोषी माना। पुलिस की प्रभावी जांच, समय पर चार्जशीट दाखिल करने और कोर्ट में सहायक जिला न्यायवादी नवीन श्योराण द्वारा की गई मजबूत पैरवी के चलते महज चार महीने के भीतर पीड़ित को न्याय मिल सका। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने इस फैसले पर कहा कि पुलिस महिलाओं व बच्चों के विरुद्ध अपराधों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

**मंडी अटेली।** छापड़ा सलीमपुर में पीले पंजे की सहायता से अवैध अतिक्रमण हटवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

### अवैध अतिक्रमण पर चला पीला पंजा

**मंडी अटेली।** खंड सिहमा के गांव छापड़ा सलीमपुर पंचायती रास्ता अहाता नम्बर 97 पर गांव के लोगों द्वारा अवैध अतिक्रमण किया हुआ था, जिसको पीले पंजे की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान शांति सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल मौजूद रहा। सिहमा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सचिन एवं अटेली तहसीलदार पायल की निगरानी में पूरी कार्रवाई की गई। वहीं इस मामले की सूचना होने के बाद भी सरपंच इस कार्रवाई में गायब रहा। इस मौके पर सिहमा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सचिन ने बताया छापड़ा सलीमपुर में अवैध अतिक्रमण मामला उच्च न्यायालय से अपील होकर सर्वोच्च न्यायालय में गया हुआ था। सर्वोच्च न्यायालय की पालना करते हुए यह कार्रवाई की गई है। पंचायत भूमि पर इस प्रकार कब्जा करना न केवल अवैध है, बल्कि यह गांव के सामूहिक हितों के खिलाफ भी है। यह भूमि गांव की सामूहिक संपत्ति होती है, जिसका उपयोग सभी के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। पंचायत अधिकारी ने चेतावनी दी कि भविष्य में पंचायत या सरकारी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की गई तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पंचायत भूमि पर किसी भी प्रकार का निजी कब्जा सहन नहीं किया जाएगा। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन की इस कार्रवाई का समर्थन किया है और उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में सरकारी भूमि का सही ढंग से प्रबंधन होगा।

# पुलिस मुठभेड़ मामले में अवैध हथियार रखने वाले साथी को दबोचा

**भारी मात्रा में अवैध हथियार व कारतूस बरामद**

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में 17 जनवरी को हुई पुलिस मुठभेड़ व मुकदमा नंबर 24 में कार्रवाई करते हुए सीआईए व थाना शहर पुलिस ने एक ओर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपित रविन्द्र निवासी मोहल्ला मिश्रवाड़ा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया है। घटनाक्रम के अनुसार 17 जनवरी को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान आरोपित शिवदयाल के पैर में गोली लगी थी। इलाज के बाद पुलिस की ओर से की गई गहन पूछताछ में शिवदयाल ने खुलासा किया कि उसने अपने साथी रविन्द्र को अवैध हथियार व कारतूस छिपाने के लिए दिए थे।

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए सीआईए व सिटी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 17 जनवरी की रात को मोहल्ला मिश्रवाड़ा में छापेमारी की। पुलिस ने आरोपित रविन्द्र को उसके घर से गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर दो देशी पिस्तौल व 82 जिंदा कारतूस बरामद किए। जांच में पुष्टि हुई है कि ये हथियार पहले से गिरफ्तार आरोपित शिवदयाल ने ही उसे सौंपे थे। आरोपित रविन्द्र को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

वांछित नामी बदमाश के पैर में लगी गोली, बाल-बाल बचे पुलिसकर्मी

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित व दैनिक हरिभूमि में प्रकाशित समाचार।

**अब तक एक पिस्टल, तीन देशी पिस्टल व 87 जिंदा कारतूस बरामद**

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि इस मामले में पुलिस की कार्रवाई अब तक बेहद प्रभावी रही है। मुठभेड़ और उसके बाद की छापेमारी में अब तक कुल एक पिस्टल, तीन देशी पिस्तौल तथा 87 जिंदा कारतूस बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस रिमांड पर लिए गए आरोपित से पूछताछ जारी रखे हुए है।

वहीं मुठभेड़ में घायल मुख्य आरोपित शिवदयाल को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में नसीबपुर जिला जेल भेज दिया गया है। मामले के एक अन्य आरोपित करणजीत को अदालत में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है, जिससे घटना में प्रयुक्त अन्य हथियारों के बारे में विस्तृत पूछताछ की जा सके।

शिक्षा की डोर नव उत्थान की ओर.....

ViJAY INTERNATIONAL SCHOOL

SH-24, SATNALI ROAD, BALANA, MAHENDERGARH (HR)

Affiliated to CBSE New Delhi, Affiliation No. 532167

यतो धर्मस्ततो जयः

We are Hiring

Join Our Team

ADMIN | Academic Heads

PGT | English, Physics, Chemistry, Maths, Biology, Hindi, Music, History, Geography, Physical Education, Economics & Accountancy

TGT | English, Science (Phy., Chem. & Bio.) Social Science (Eng. Medium) Hindi, Computer Teacher, Art & Craft, Social Science (Hindi. Medium)

PRT | Hindi, English, EVS, Maths, Art & Craft, Dance Teacher, Activity Teacher, Computer Teacher

SUPPORTING STAFF | Receptionist (Female) Electrician, Typist (Hindi & English), Drivers, Conductors, Coaches All Games

Walk in Interview

19th January to 25th January 2026

Time - 9:00 am to 2:00 pm

at School Campus

Salary No Bar for Deserving Candidates

Get an Appointment through call/whatsapp -

9053008082

ADMISSION Open Nursery to 12th

9053008081, 9053008082

vijayinternationalschools@gmail.com

vijayinternationalschool.com

CHAIRMAN

VIJAY YADAV (TUMNA)

9053008080

### इस बार माघ माह के गुप्त नवरात्रि का प्रारंभ 19 से और समापन 27 जनवरी को होगा

एक वर्ष में दो बार नहीं चार बार आता है नवरात्रि का त्योहार

# आज से प्रारंभ होंगे माघ माह के गुप्त नवरात्रि करें दस महाविद्याओं की पूजा-आराधना

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हिंदू धर्म में नवरात्रि के पर्व को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। ज्यादातर लोग यही जानते है कि एक साल में दो बार नवरात्र आते हैं। लेकिन एक वर्ष में दो बार नहीं चार बार नवरात्रि का त्योहार आता है। चैत्र और शारदीय नवरात्र को तो सब जानते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त भी विशेष कामनाओं की सिद्धि के लिए दो नवरात्रि और होते हैं, माघ और आषाढ़ मास के नवरात्रि जिन्हें गुप्त नवरात्रि बोला जाता है।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया की इस बार माघ माह के गुप्त नवरात्रि का प्रारंभ आज 19 जनवरी सोमवार से होगा और समापन 27 जनवरी को होगा। उन्होंने बताया कि गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। इन नवरात्रों के नौ दिनों में दुर्गा माता के दस महाविद्याओं की साधना और आराधना की जाती है। इनमें मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, चित्रमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बंगलापुरी, मातंगी और मां कमला देवी की साधना होती है तथा गुप्त नवरात्र की पूजा को गुप्त रखा जाता है। साधना जितनी गुप्त होगी उसका फल भी उतना ही फलदाई होगा। इन नौ दिनों में दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाता है। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि के साधनाकाल में मां दुर्गा (शक्ति) का जप, तप, अनुष्ठान साधना पूर्ण विधि-विधान से गुप्त तरीके से करने पर जीवन में आ रही सभी बाधाएं समाप्त हो जाती है।

#### ये रहेगा कलश स्थापना का शुभ मूहर्त

*राहुल भारद्वाज ने बताया की नवरात्र के प्रथम दिन शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए कलश स्थापित किया जाता है। सुबह 7:19 से सुबह 8:39 तक, सुबह 9:58 से सुबह 11:17 तक इसके बाद अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:15 से दोपहर 12:57 बजे तक कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त रहेगा। उन्होंने बताया कि शुभ मुहूर्त में किया गया कार्य और पूजा अनुष्ठान हमेशा ही सफल होता है।*

#### गुप्त नवरात्रि के दौरान बनने वाले शुभ योग

*19 जनवरी:* कुमार योग, सर्वार्थ सिद्धि।
*20 जनवरी:* द्विपुष्कर योग, राजयोग।
*21 जनवरी:* राजयोग, रवि योग।
*22 जनवरी:* रवि योग।
*23 जनवरी:* कुमार योग, रवि योग।
*24 जनवरी:* रवि योग।
*25 जनवरी:* रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि।
*27 जनवरी:* सर्वार्थ सिद्धि योग।

*समय, सेहत और संबंध... इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।*

**- मुंशी प्रेमचंद**

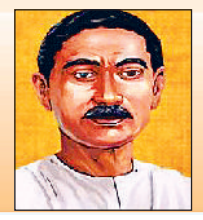

*मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है।*

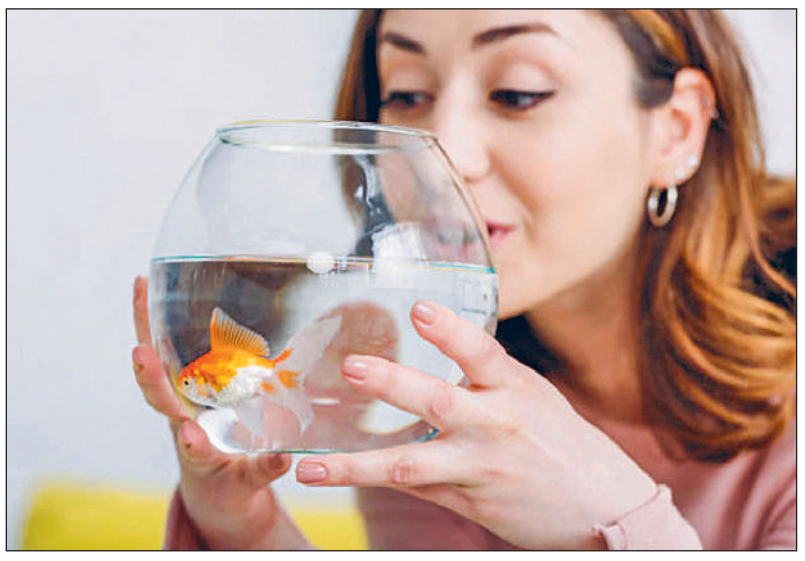

# अकेलेपन का दंश

कहानी

सुदर्शन रत्नाकर

मछलियां जब लाई गई थीं, तब वे गिनती में कुल बारह थीं। ऐक्वेरियम के स्वच्छ जल में तैरतीं वे रंग-बिरंगी मछलियां एक दूसरे से टकरातीं, ऊपर-नीचे, दायें-बांयें होतीं अठखेलियां करतीं, घर में सबके आकर्षण का केन्द्र बन गईं थीं। ऐक्वेरियम के बैकग्राउंड में लगी लैंडस्केप में पहाड़, झरना, पेड़ सब थे, जो देखने में एक सुंदर दृश्य उपस्थित करते थे; लेकिन उन मछलियों के तैरने, विचरण करने की एक सीमा थी। नदी, तालाब या सागर का अथाह जल नहीं था। जो भी था तीन बाय दो फ़ीट का ऐक्वेरियम ही उनका संसार था। सीमित जल ही उनका जीवन था। स्वाभाविक रूप में जीव -जन्तु उनका भोजन नहीं थे। हमारी कृपा से ही उनका पेट भरता था। शायद हमारी कृपा अधिक ही हो जाती थी। सुबह-शाम तो उनकी डाइट डाली ही जाती थी। बच्चे आते-जाते उन्हें देखते और साथ में में दो-चार दाने ऐक्वेरियम में डाल देते।

मछलियों में हलचल शुरू हो जाती। किसी के हिस्से में दो दाने आ गये और शेष रह गईं। कोई मुटा रही थी तो कोई पहले से दुबली हो रही थी। रंग-बिरंगी दस मछलियां बेहद सुंदर थीं; लेकिन दो एकदम काली, जो दूर से ही पहचानी जाती थीं। दूसरी मछलियों से अलग और जीवट। दूसरी मछलियों को धकेलतीं एक से दूसरे कोने में पहुंच जातीं। वे रहती भी उन दोनों से अलग थीं। शायद वे उनसे अलग प्रजाति की होंगी। पर मैंने देखा कि थोड़े दिन में वे दूसरी मछलियों से हिलमिल गई थीं। एक कोने में न जाकर उनके बीच जाकर खेलने लगतीं। मछलियों के क्रियाकलापों से लगता था, बंधन में रहकर भी वे खुश हैं। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया था। न भी खुश रहतीं तो भी उन्हें रहना तो वहीं था। बाहर निकल नहीं सकती थी, क्योंकि वहां जीवन का अंत था। पर मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं न। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है। कोई भी बंधन उसे बांध नहीं पाता और वह पंख फैलाकर उड़ जाता है। समीर ने लंदन जाने का फ़ैसला उसे सुना दिया था। उससे पहले उसने सारी औपचारिकताएं पूरी भी कर ली थीं। वह उसे क्या कहती, उसके साथ तो जा नहीं सकती थी। यह समीर जानता था, इसीलिए उसने पूछने की ज़रूरत ही नहीं समझी। मन को यह बात चुभती रही कि वह उसे पहले ही बता देता, तब भी वह उसे रोकती नहीं, वह यह बात भी जानता है। मैंने अनुशासन में रखकर उसे संस्कारों के साथ स्वतंत्रता भी दी हुई थी, इसलिए उसकी इच्छा में बाधक बनने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता था!

एक महीने के भीतर वे सब चले गए। घर सूना हो गया। तब बरसों पहले छोड़ कर गए मिहिर की बहुत याद आई थी। उसने परिस्थितियों के साथ समझौता कर लिया। मछलियों के साथ समय बिताने लगी थी। उसे देखते ही उनमें हलचल मच जाती। जैसे ही दाना डालती, वे सब उछल-उछल कर ऊपर की ओर आ जातीं। वे उसके सूनेपन की साथी हो गई थीं। ऐक्वेरियम के सामने बैठ कर घंटों उन्हें निहारती। हलकी-हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गयी थी। मौसम ख़ुशगवार हो गया था। गुनगुनी धूप अच्छी लगने लगी थी। लॉन में बैठने को मन करता। धूप में बैठे-बैठे भी वह अंदर रखे ऐक्वेरियम में मछलियों को निहारती रहती। यह उसकी दिनचर्या बन गई थी। फिर देखते ही देखते सर्दी बढ़ गई। वर्षा के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। तापमान गिरता गया। ऐक्वेरियम के सामान्य तापमान में रहने वाली मछलियों के लिए यह तापमान कम था। कमज़ोर मछलियां सह नहीं पाईं और पांच मछलियां मर गईं। उनका साथ छूट गया। उसे अच्छा नहीं लगा। शेष बची मछलियां भी दो दिन तक सुस्त रहीं। उनके डाइट के दाने पानी के ऊपर तैरते रहे। यही नहीं, अगले कुछ दिनों में सात मछलियों में से पांच और चली गईं। शेष वहीं दो काली मछलियां बच गईं, जो सबसे अलग लगती थीं। अब पूरा ऐक्वेरियम उनका था, पर वे दोनों पानी में रखे पत्थरों के बीच छिप कर बैठ जातीं। वह दाना डालती तो उछल कर ऊपर आ जातीं। भूख तो सब को लगती है, ईश्वर ने विधान ही ऐसा बनाया है। परिवार के साथ हो या अकेले पेट भरने के लिए यत्न तो करना पड़ता है। मछलियों को भी पानी में से भोजन तलाशना पड़ता है। उसने कई बार सोचा कि कुछ मछलियां और लाकर पानी में छोड़ दे; लेकिन ऐसा किया नहीं, जिनके लिए किया था वे तो चले गए। उसके लिए ये दो ही बहुत हैं। जब ढेर सारी मछलियां थीं तो ये दोनों अपने में ही मस्त रहती थीं, पर अब जब वह इनके पास से गुजरती हैं तो ये सतर्क हो जाती हैं। उछल कर ऊपर आ जाती हैं और फिर तैरती हुई दूसरे किनारे चली जाती हैं। वह उन्हें कहती है, 'तुम भाग्यशाली हो, दो तो हो। एक दूसरे का सहारा है। एक साथ रहती हो, खेलती हो, बतियाती हो, दिन- रात कब निकल जाते हैं पता ही नहीं चलता होगा तुम दोनों को। मिहिर साथ होते तो उसे भी बच्चों का चले जाना शायद अखरता नहीं।' दोनों मछलियां उछल कर फिर ऊपर आ जाती हैं। वह समझ जाती है, कहती है, 'अच्छा तुम हो मेरे साथ। हाँ, तुम हो, मैं अकेली कहां हूं। नाराज़ क्यों होती हो, चलो दाना खा लो और फिर खेलो, मैं तुम्हारा खेल देखूंगी।' इधर कई दिनों से वह उनसे बतियाने लगी है। अपनी ही आवाज़ सुन कर वह खुश हो जाती है। कोई आवाज़ तो गूंजी घर में। नहीं तो सारा दिन सूनापन पसरा रहता है। दरवाज़े खोल कर भी रखो तो भी बाहर से कोई आवाज़ नहीं आती। हर कोठी का गेट दूसरी कोठी से दूर है। सब अपने में सीमित, अपने - अपने घर में सिमटे रहते हैं। पता ही नहीं चलता, कब कोई बाहर गया और कब अंदर आया। सिवाय सड़क पर आते-जाते वाहनों के कोई और आवाज़ नहीं आती। धुआं और धूल उड़ाती गाड़ियां दिन -रात चलती रहती हैं। उनकी आवाज़ों से डर कर आंगन में लगे पेड़ों पर कभी-कभार ही कोई परिन्दा आकर बैठता है, पर वाहनों की आवाज़ में उनकी आवाज़ विलीन हो जाती है। हां, कभी कभी आती-जाती बाइयों की आवाज़ सुनाई दे जाती है, जो काम से निपट कर बाहर निकलती हैं, तो एक दूसरे से मालिकों की या अपनी गाथा सुनाने खड़ी हो जाती हैं। वह अनुभव कर रही थी, अब उसका शरीर शिथिल होता जा रहा है। खान-पान, दिनचर्या बराबर पहले जैसी है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह बीमार है। हां, कभी कभी सांस उखड़ने लगती है। मौसम बदलने पर प्रभाव अधिक पड़ता है। प्रदूषण से भी तो कोई बचाव नहीं। उसने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक रात सोते हुए उसका दम घुटने लगा। सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। अवश्य ही उसे हार्ट अटैक आने वाला है, सोच कर ही वह सिंहर उठी। उसने समझदारी से काम लिया। एम्बुलेंस बुला कर वह स्वयं उसमें जा बैठी। अस्पताल घर के पास ही था, इसलिए वहां पहुंचने में देर नहीं लगी।

सभी टेस्ट करने के बाद पता चला कि उसके फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इलाज शुरू हो गया। पांच दिन वह अकेली अस्पताल में रही। उसने किसी को बताया ही नहीं। वैसे भी कौन ख़ाली बैठा है। पर अकेले समय काटना उसके लिए भारी हो गया था। डॉक्टर या सिस्टर आती तो कमरे का सूनापन थोड़ी देर के लिए कम हो जाता। दो दिन के बाद सुबह-शाम कॉरिडोर में चक्कर लगाने लगी। वार्ड में भी चली जाती। देखती सभी मरीज़ों के पास कोई न कोई सगा सम्बंधी बैठा होता। अस्पताल में मिलने के समय में भी सम्बंधी या परिचित मिलने आ जाते हैं। उस समय मरीज़ के चेहरे पर कितना आत्मसंतोष झलकता है। कोई है, जो अपना है। कितना कठिन होता है दुख की घड़ी में अकेलेपन के दंश को सहना, लेकिन सहना पड़ता है। उसने कुछ मरीज़ ऐसे भी देखे जिनके पास, उसकी तरह मिलने के समय में भी कोई नहीं आता था। घर में ऐक्वेरियम में मछलियां भी तो अकेलेपन को सह रही हैं। आती बार वह दाना डालना नहीं भूली थी, पर अब तक तो वे ख़त्म कर चुकीं होगी। पांच दिन बाद वह घर लौट आई। कोई सहारा देकर अंदर ले जाने वाला तो था नहीं। थोड़े दिन के लिए एक नर्स का प्रबंध वह अस्पताल से ही करके आई थी। जो एक सप्ताह तक आती रही। फिर मेड को सुबह से शाम तक रोकने लगी। अब ऐक्वेरियम उसने कमरे में रखवा लिया था। एक शाम उसने देखा एक मछली सुस्त हो रही है। उसने खाना भी नहीं खाया और पत्थर के बीच दुबकी रही। शरीर में कोई हरकत नहीं थी। वह मर गई थी। उदासी और निराशा उसे सारा दिन घेरे रही। अब ऐक्वेरियम में एक ही मछली रह गई थी, अकेली उसकी तरह। दो दिन तक वह भी शिथिल रही। साथी के जाने का दुख था शायद। संवेदनाएं तो जीव-जन्तुओं में भी होती हैं, पर मनुष्य ही उनकी भावनाओं को नहीं समझ पाता। अब धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो रही थी। मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था। एक बड़े डिब्बे में पानी भरा, ऐक्वेरियम को खोल कर उस काली मछली को उसमें डाल दिया। घर के पास ही एक छोटे से पौंड में उसे छोड़ते हुए कहा, "जाओ अपने साथियों के साथ मिलकर आज़ादी से रहो, अकेलेपन की पीड़ा क्या होती है, मैं जानती हूं। और हां, सुनो, मैं भी अब अकेली नहीं रहूंगी अस्पताल जाया करूंगी, उनके साथ रहूंगी, जिनका कोई नहीं, जो अकेले हैं।' मछली ने कुछ सुना या समझा, पता नहीं; लेकिन पौंड में जाते ही वह स्फूर्ति से तैरने लगी।

*मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था।*

---

कविता चांदनी केशरवानी 'सुगंधा'

## मुक्तक

यहां है झूठ थोड़ा तो यहां सच की भी माला है,
यहां अमृत अगर मिलता है तो विष का भी प्याला है,
यहां मन में ही उठते पाप पुण्यों के समुन्दर हैं
अगर मंथन करो मन का तो बनता इक शिवाला है।

जो पैर धरती पर रहे, आकाश चढ़ गए,
कांटों भरे जमीन पे ,पैदल ही बढ़ गए,
ख़ाली थे जिनके हाथ विरासत के नाम पर
मेहनत से अपने भाल पे वो जीत गढ़ गए।

बन्द दिलों के द्वार यहां तो खुलने दो,
प्रेम सुधा से नफ़रत को भी धुलने दो,
मत बांटो तुम रंगों से इस दुनिया को
रंग यहां अब प्रेम के सारे घुलने दो।

खा के ठोकर भी ख़ुद को सँवारा करो ,
मुश्किलों में भी डट कर गुज़ारा करो,
जीत अक्सर मिले, यह जरूरी नहीं ,
हार कर भी न हिम्मत, यूँ हारा करो।

,अहम से जो भरोगे तुम, यहाँ पहचान खो दोगे ।
बहेंगे अश्रु आँखों से अधर मुस्कान खो दोगे।
यहाँ नारी सभी पूजित, अमानत हैं धरा की वो
नहीं आदर किए इनकी तो तुम सम्मान खो दोगे।

---

कविता लता

## पंछी बन जाऊं मैं

मैं भी एक पंछी होती,
अपनी मर्जी से खेल पाती,
मुझे भी होती पूरी आजादी,
मैं भी कहीं भी घूम पाती,
अपनी मर्जी से सब खा पाती,
इतना ऊँचा मैं उड़ना चाहती,
किसी की सोच तक पहुँच न पाती,
किताबों के पंछी आसमान में उड़ते,
इतनी ऊंची वो उड़ान भरते कि,
फिर नीचे न किसी को देखते,
करते अपने मन की सौ बार,
फड़ फड़ उड़ जाते हर बार।।

---

लघुकथा राजश्री गौड़

## हिम्मत सिंह का दर्द

जब से सर्जिकल-स्ट्राइक-2 हुआ है, तमाम देशवासियों की तरह मेरे मुहल्ले के लोग भी बदले व जीत की ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे। गली-नुक्कड़ पर सभी नव-उत्साह से भरे प्रधानमंत्री के साहसिक कदम व सीमा के प्रहरी जाँबाजों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मेरे पड़ोस में ही रहने वाले हिम्मत सिंह हवलदार ड्युटी पर जाने को निकले तो पड़ोसियों का जमावड़ा देख दुआ-सलाम के साथ ही लगे देश की सुरक्षा सम्बंधी घटनाओं पर अपनी व्यथा उड़ेलने।

'आर्मी और एयरफोर्स तो पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी है, हमें भी तो मौका मिलना चाहिए। हम सिर्फ बापुओं व बाबाओं को पकड़ने के लिए ही हैं।'

'साहब, ये बाबा-बापु भी पकड़ने बहुत जरूरी हैं, जो देश की आधी आबादी व संस्कृति को शहीद करने में लगे हैं।'

हवलदार हिम्मत सिंह का सीना गर्व से फूल गया।

---

# प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक विरासत

**हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी।**

मंथन कमलेश शर्मा

हरियाणा की सोंधी मिट्टी में केवल किसान के पसीने की गंध ही नहीं, बल्कि साहित्यकारों की कलम से निकली स्याही की सुगंध भी उतनी ही गहराई से रची-बसी है। सरस्वती नदी के तट पर पल्लवित-पुष्पित हुई यह सभ्यता, जिसे भारतीय संस्कृति का पालना कहा जाता है, सदियों से साहित्य के सृजन और संवर्धन में एक मूक किंतु सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है।

हरियाणा के हिंदी साहित्य वटवृक्ष का बीज नाथ साहित्य परंपरा में खोजा जा सकता है। अस्थल बोहर मठ इस परंपरा का वह ध्रुव तारा रहा है, जिसने हिंदी साहित्य को दिशा दिखाई। बाबा मस्तनाथ और विशेष रूप से चौरंगीनाथ, जिन्हें लोकगाथाओं में पूरण भगत के नाम से जाना जाता है, को हिंदी के प्रारंभिक गद्यकारों और कवियों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त है। उनकी कालजयी रचनाओं, जैसे 'प्राण संकली' में हमें अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का वह दुर्लभ संक्रांति-कालीन स्वरूप देखने को मिलता है, जिसने आगे चलकर आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की नींव रखी। मध्यकाल में जब संपूर्ण भारतवर्ष भक्ति रस में सराबोर था, तब हरियाणा की पावन धरा भी इस आध्यात्मिक क्रांति से अछूती नहीं रही।

**महाकवि सूरदास :** फरीदाबाद के सीही गांव की मिट्टी ने हिंदी साहित्य को वह अनमोल रत्न दिया, जिसे दुनिया महाकवि सूरदास के नाम से जानती है। अपनी प्रज्ञाचक्षुओं से सूरदास ने 'सूरसागर' के माध्यम से ब्रजभाषा को जो लालित्य और माधुर्य प्रदान किया, वह अद्वितीय है। उनके वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन में मानवीय संवेदनाओं की जो सूक्ष्मता मिलती है, वह विश्व साहित्य में दुर्लभ है।

**संत गरीबदास :** इसी कालखंड में झज्जर के संत गरीबदास ने निर्गुण भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी में कबीर की वैचारिक परंपरा का विस्तार दिखाई देता है, जिसमें सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और मानवीय समानता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी भाषा हरियाणवी मिश्रित हिंदी थी, जो सीधे जनसाधारण के हृदय तक पहुंचती थी।

**महाकवि संतोख सिंह :** इसी वैचारिक श्रृंगार में कैथल के राजकवि महाकवि संतोख सिंह का योगदान भी अविस्मरणीय है, जिन्होंने 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' जैसी विशालकाय कृति रचकर ब्रजभाषा को शास्त्रीय ऊंचाइयां प्रदान की। अठारह सौ सत्तावन की महान क्रांति के दौरान यहां का साहित्य दरबारों से निकलकर रणक्षेत्रों में गूंजने लगा। लोककवियों, जिन्हें इतिहास की किताबों में भले ही स्थान न मिला हो, ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसे ओजस्वी गीत और रागनियां लिखी। आल्हा गायन और वीरगाथाओं ने युवाओं में नए जोश भरने का कार्य किया।

बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह और झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खान की शहादत पर रचे गए लोकगीत हरियाणा में बड़े आदर से गाए जाते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस भूमि पर कलम और तलवार, दोनों ही स्वाधीनता संघर्ष के समान रूप से भागीदार रहे हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माण में हरियाणा के मनीषियों का योगदान नींव के पत्थर समान है।

**बाबू बालमुकुंद गुप्त :** रेवाड़ी के गुड़ियानी गांव के सपूत बाबू बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु युग और द्विवेदी युग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है। जब देश गुलाम था, तब उन्होंने 'शिवशंभू के चिट्ठे' के माध्यम से तत्कालीन निरंकुश शासकों की सत्ता को अपने व्यंग्य से हिलाकर रख दिया था। उनकी कलम ने भयमुक्त पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए।

**पंडित माधव प्रसाद मिश्र :** इसी दौर में भिवानी के कुंगड़ गांव के पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने हिंदी कहानी को नई दिशा दी। उनकी कहानी 'लड़की की बहादुरी' को हिंदी की प्रारंभिक मौलिक कहानियों में गिना जाता है, जिसने यथार्थवाद की जमीन तैयार की।

**तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' :** भिवानी के ही तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' ने 'पुरुषोत्तम' और 'भक्त-भारती' जैसे महाकाव्यों की रचना कर हिंदी प्रबंध काव्य की परंपरा को समृद्ध और गौरवन्वित किया। जहां एक ओर शिष्ट हिंदी साहित्य अपनी ऊंचाइयां छू रहा था, वहीं, दूसरी ओर हरियाणवी लोकभाषा का साहित्य जन-जन की आवाज बन रहा था।

**पंडित लखमीचंद :** पंडित लखमीचंद को हरियाणवी साहित्य का सूर्य कवि कहा जाता है। उन्होंने 'सांग' विधा को सामान्य मनोरंजन से निकालकर दार्शनिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके सांगों में वेदों का ज्ञान और लोकजीवन का अनुभव एक साथ मिलता है। उनके समकालीन और शिष्यों ने इस परंपरा को और निखारा। वहीं, पंडित मांगेराम अपनी विलक्षण प्रतिभा, छंदविधान और शिल्पगत अनुशासन के लिए विख्यात हुए। मांगेराम ने रागिनी को एक सुगठित साहित्यिक ढांचा प्रदान किया। उनकी 'कृष्ण-सुदामा' और 'शकुंतला-दुष्यंत' जैसी रचनाएं भाषा की शुद्धता की मिसाल हैं।

**बाजे भगत :** बाजे भगत इस परंपरा में एक समाज सुधारक के रूप में उभरे, जिन्होंने अपनी कविताओं से पाखंड और सामाजिक कुरीतियों पर तीखे वार किए। इनके साथ-साथ अनेक लोककवियों ने इस यज्ञ में अपनी–अपनी आहूतियाँ डाली।

**राजाराम शास्त्री :** हरियाणवी साहित्य केवल पद्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक काल में राजाराम शास्त्री ने 'झाड़फिरी' नामक प्रथम हरियाणवी उपन्यास लिखकर गद्य लेखन का श्रीगणेश किया। इस उपन्यास में ग्रामीण हरियाणा के ताने-बाने, अंधविश्वास और रिश्तों की जटिलताओं का जैसा यथार्थवादी चित्रण मिलता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। समग्रतः यह कहा जा सकता है कि हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी। हरियाणा का साहित्य इस वीर भूमि के स्वाभिमान, संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और अदम्य जिजीविषा का जीवंत परिचय कहा जा सकता है।

---

# जज्बातों, कशमकश और यथार्थ का संगम है 'मुनासिब'

**पुस्तक :** मुनासिब
**लेखक :** चरणजीत चरण
**मूल्य :** 200 रुपये
**प्रकाशक :** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेंद्र कुमार

साहित्य समाज का दर्पण होता है, लेकिन गज़ल उस दर्पण में पड़ने वाली अक्स की 'रूह' होती है। सुप्रसिद्ध गज़लकार चरणजीत चरण का गज़ल संग्रह 'मुनासिब' इसी रूह की तलाश करता हुआ प्रतीत होता है। इस संग्रह के शेर न केवल पढ़ने वाले को अपनी ओर खींचते हैं, बल्कि वे पाठक के दिल में दबे उन जज्बातों को जुबान देते हैं जो अक्सर खामोश रह जाते हैं। 'मुनासिब' में इश्क़ की टीस भी है, रिश्तों की गरिमा भी, और बदलते समाज पर एक तीखा कटाक्ष भी। चरणजीत की शायरी में प्रेम का वह रूप दिखाई देता है जो फिल्मी नहीं, बल्कि यथार्थवादी है। प्रेम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच पिसते हुए आम आदमी की दास्तां इस शेर में बखूबी बयां होती है:

*दबाकर हाथ मेरा ज़ोर से हंसते हुए बोली*
*अगर अब वस्ल का सोचेंगे तो घर टूट जाएगा*

यहाँ 'घर' और 'वस्ल' (मिलन) के बीच का द्वंद्व पाठक को भीतर तक झकझोर देता है। इसी कशमकश का विस्तार उस शेर में मिलता है जो शायद इस संग्रह का शीर्षक-शेर भी कहा जा सकता है:

*न घर जाना मुनासिब था, न मर जाना मुनासिब था*
*जहां हम थे वहां से बस बिछड़ जाना मुनासिब था*

यह शेर बेबसी की उस पराकाष्ठा को छूता है जहां 'बिछड़ना' चुनाव नहीं, बल्कि एकमात्र विकल्प रह जाता है। शायर ने 'मुनासिब' शब्द का प्रयोग जिस नज़ाकत से किया है, वह उनकी भाषाई पकड़ का सबूत है। चरणजीत की गज़लें सिर्फ गम का रोना नहीं रोतीं, बल्कि वे जीने का हौसला भी देती हैं। आज के दौर में जहां हर कोई ज्यादा पाने की होड़ में है, वहाँ शायर 'कम' में गुज़ारा करने की बात कर एक साधुत्व का परिचय देता है:*कौन ख़ुशी का रास्ता देखे ग़म से काम चला लेंगे*तुम अपना पूरा कर लो हम कम से काम चला लेंगे*यह पंक्ति त्याग और प्रेम में समर्पण की पराकाष्ठा है। 'मुनासिब' संग्रह केवल निजी जज्बातों तक सीमित नहीं है। इसमें समाज की विसंगतियों पर भी चोट की गई है। कुल मिलाकर, यह संग्रह 'मुनासिब' यादों, कसक, नैतिकता और जीवन के छोटे-छोटे पलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता है। यह संग्रह साबित करता है कि अच्छी शायरी वह नहीं जो सिर्फ वाह-वाही लूटे, बल्कि वह है जो पाठक को यह महसूस कराए कि यह उसी की कहानी है। निस्संदेह यह संग्रह पाठकों की यादों में लंबे समय तक महकता रहेगा।

## खबर संक्षेप

### कथा के तीसरे दिन हुआ सुखदेव की कथा का वर्णन

**महेंद्रगढ़।** शहर के डुलाना रोड पर स्थित श्री गोपाल गोशाला बुचियावाली में मातृभूमि सेवा संघ की ओर से 16 जनवरी से चल रही श्री सुरभि सवा करोड़ महायज्ञ एवं गो भागवत कथा के तीसरे दिन की कथा में भगवताचार्या विदुषी बेला पारीक राष्ट्रीय अध्यक्षा ने सुखदेव की कथा सुनाई। इसके अतिरिक्त उन्होंने सृष्टि की रचना, भगवान के चौबीसों, अवतार, भक्ति ज्ञान वैराग्य, ध्रुवचरित्र का वर्णन भी किया। उन्होंने बताया कि इस कथा का लाइव प्रसारण भारत सहित 126 देश में किया जा रहा है।

### जीवन रक्षा पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

**नारनौल।** राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य राजबीर सिंह के मार्गदर्शन व महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. हवासिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उपप्राचार्य डॉ. हवासिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालयए भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य छात्र छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के प्रति जागरूक करना है।

### सभाओं में मतदाताओं की हाजिरी की बाध्यता गलत

**नारनौल।** एसयूसीआई के राज्य सचिव कामरेड राजेंद्र सिंह ने राज्य की ग्राम सभाओं में 40 फीसदी मतदाताओं की हाजिरी की बाध्यता की आलोचना करते हुए कहा कि यह निर्णय एक और तुगलकी फरमान है और इसे जमीनी हकीकत से कोसों दूर बताया है। उन्होने कहा कि इस तरह के निर्णयों से राज्य सरकार की मंशा साफ झलकती है कि विकास कार्यों के मामले में वह पंचायतों को शासक पार्टी की दबेल बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि 40 फीसदी की हाजिरी किसी भी तरह मुमकिन नहीं है, क्योंकि गांव देहात की बड़ी आबादी अपनी रोजी रोटी के लिए तथा छात्र अपनी पढ़ाई के लिए गांव से बाहर रहते है। ऐसे में कामकाज छोड़कर ग्राम सभा में आना कैसे सम्भव है।

### श्यामपुरा में बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

**महेंद्रगढ़।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर सतनाली इकाई द्वारा युवा दिवस के उपलक्ष्य में गांव श्यामपुरा स्थित गायत्री शक्तिपीठ में बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस खेल गतिविधि में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक कमल रोहिल्ला का प्रवास रहा। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार, नगर मंत्री सचिन कुमार एवं नगर सोशल मीडिया संयोजक ललित कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों द्वारा टॉस करवाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

### स्याना गांव में किसान चौपाल का आयोजन

# विकसित भारत जी राम जी योजना से किसानों को मिलेगा रोजगार: सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अटेली विधानसभा क्षेत्र के गांव स्याना में किसानों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक किसान चौपाल का आयोजन किया गया। यह चौपाल विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन जी राम जी को लेकर आयोजित की गई। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, किसानों व पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महेंद्रगढ़ भिवानी लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने की। चौपाल में किसानों को जी राम जी योजना के उद्देश्यों, लाभों और इसके माध्यम से होने वाले गांव के समग्र विकास की जानकारी विस्तार से दी गई।

इस अवसर पर सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जी राम जी योजना ग्रामीण भारत की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के अंतर्गत 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी जाएगी। जिससे ग्रामीण परिवारों को स्थायी आय का साधन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बनाए गए नए कानून पारदर्शिता पर आधारित हैं। जिससे भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। हर पात्र व्यक्ति को उसके श्रम का पूरा मेहनताना मिलेगा और लोगों को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। डॉ. यतेंद्र राव ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार की नीतियां गांव, गरीब, किसान और मजदूर को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं। जी राम जी योजना से न केवल रोजगार सृजन होगा, बल्कि गांवों का समग्र विकास भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि यह योजना सरकार की दूरगामी और पारदर्शी सोच का परिचायक है, जो सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

नारनौल। कार्यक्रम में ग्रामीणों को जानकारी देते सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

### सरकार कर रही है बिना भेदभाव विकास कार्य

वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर विश्वास रखते हुए देश और प्रदेश को विकसित भारत की ओर ले जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में सरकार बिना भेदभाव के हर वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली के कुशल नेतृत्व में जी राम जी योजना को संगठन के माध्यम से जन जन तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में गांव के सरपंच वीरपाल, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र, ग्रामवासी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित किसानों ने योजना के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए सरकार के प्रयासों की सराहना की।

नारनौल। जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते रोटरी क्लब रॉयल्स सदस्य।

### रोटरी क्लब रॉयल्स ने किए कंबल वितरित

**नारनौल।** रोटरी क्लब रॉयल्स की ओर से शीतलहर को देखते हुए रविवार को नई सब्जी मंडी के सामने झुग्गी झोपड़ियों व सड़क किनारे निवास करने वाले जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। क्लब के प्रधान रोटेरियन दिनेश भार्गव ने बताया कि शीत ऋतु के दौरान जरूरतमंदों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से क्लब की ओर से मिशन सुकून की नींद अभियान की शुरूआत की गई थी। इस अभियान के अंतर्गत दिसंबर व जनवरी माह में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क किनारे, झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले तथा बेघर लोगों को कंबल वितरित किए गए। यह अभियान रविवार को सम्पन्न हुआ। उन्होंने मिशन में सहयोग देने वाले सभी रोटेरियन साथियों का आभार व्यक्त किया। क्लब के सचिव रोटेरियन सत्यनारायण सैनी ने बताया कि क्लब सदस्यों की ओर से रात्रि के समय भी शहर में सक्रिय रहकर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व प्रमुख चौराहों पर बेघर व जरूरतमंद राहगीरों को कंबल वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 21 जनवरी को क्लब की ओर से महावीर चौक पर हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं स्वच्छ नारनौल, स्वस्थ नारनौल अभियान के तहत 25 जनवरी को नगर के छोटा बड़ा तालाब परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस मौके पर क्लब फाउंडेशन चेयर शीतल भार्गव, प्रियंका सैनी, महेश सैनी, अमित कुमार आदि मौजूद थे।

नारनौल। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

### दा वेदांता स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

**नारनौल।** दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल की ओर से स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में महेंद्रगढ़, नारनौल, अटेली व आसपास के गांवों से कुल 1386 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा में भाग लेने आए बच्चों में विद्यालय के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर व उपलब्ध सुविधाओं को देखकर विशेष उत्साह देखने को मिला। परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक भी अपने बच्चों के साथ विद्यालय पहुंचे। उन्होंने स्कूल की ओर से दी जा रही शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक सुविधाओं तथा बच्चों के भविष्य से संबंधित योजनाओं की सराहना की। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार यादव ने बताया कि दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल हर ऐसे होनहार बच्चे को स्कॉलरशिप प्रदान करेगा, जो शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। विद्यालय के प्राचार्य अनिल मुखिजा ने बताया कि स्कूल खेलकूद, कला और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विद्यार्थियों को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराएगा तथा उन्हें निरंतर प्रोत्साहित करेगा, ताकि कोई भी बच्चा धन के अभाव में अच्छी शिक्षा से वंचित न रह जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में विद्यालय अभिभावकों की सभी अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेगा और बच्चों को एक अच्छा नागरिक बनाने की दिशा में कार्य करता रहेगा।

नारनौल। परीक्षा देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

### एमआर स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

**नारनौल।** एमआर ग्रुप ऑफ स्कूल के मित्रपुरा व अटेली कैंपस में स्कॉलरशिप की परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यह परीक्षा कक्षा प्रथम से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। जिसमें संबंधित कक्षा के पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए प्रश्नों के उत्तर दिए। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों को आगे लाना है। इस स्कॉलरशिप टेस्ट में विद्यार्थियों की अपार भीड़ देखने को मिली। अभिभावक विद्यालय में अपने बच्चों को साथ लेकर पहुंचे तथा निर्धारित समय के बाद भी विद्यार्थी कैंपस में प्रवेश करते रहे। जिसके चलते देरी से आने वाले विद्यार्थियों को बैठाने के लिए अलग से व्यवस्था करनी पड़ी। विद्यार्थियों व अभिभावकों की रूचि को देखते हुए विद्यालय के अध्यक्ष सियाराम यादव ने बताया कि एमआर ग्रुप क्षेत्र में शिक्षा के प्रचार व प्रसार में किसी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

### दुबलाना में सतीश यादव का शक्ति प्रदर्शन, जाट सभा को 11 लाख रुपये देने की घोषणा

# कांग्रेस को झटका, राधेश्याम शर्मा हजारों समर्थकों संग इनेलो में शामिल

- अभय चौटाला की हुंकार 2029 में भाजपा का सुपड़ा साफ, हरियाणा को भयमुक्त बनाएगी इनेलो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा की राजनीति में इनेलो लगातार ताकतवर होती नजर आ रही है। पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा ने रविवार को अपने हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस को अलविदा कहकर इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की सदस्यता ग्रहण कर ली। बीपीएस बीएड कॉलेज प्रांगण नांगल चौधरी में इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला की अध्यक्षता में आयोजित जनसभा ने दक्षिणी हरियाणा की सियासत में नया संदेश दे दिया। इससे पहले दुबलाना गांव में पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव ने भी सैकड़ों समर्थकों के साथ इनेलो में आस्था जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। एक के बाद एक बड़े नेताओं के इनेलो में शामिल होने से कांग्रेस व भाजपा दोनों खेमों में खलबली मच गई है।

अभय सिंह चौटाला ने कहा कि चौधरी देवीलाल की नीतियों में विश्वास जताकर इनेलो से जुड़ने वाले सभी साथियों का पार्टी में सम्मानपूर्वक स्वागत है। उन्होंने कहा कि भाजपा हरियाणा की जनता को जाति, धर्म और मजहब के नाम पर बांटने का काम कर रही है, जबकि इनेलो जाति-पाति से ऊपर उठकर प्रदेश को एकजुट कर आगे बढ़ाना चाहती है। अभय चौटाला ने कहा कि आज प्रदेश में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है।

आम आदमी भय के साये में जी रहा है, लूट, हत्या, बलात्कार और गुंडागर्दी की घटनाएं खुलेआम हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि 2029 के चुनाव में हरियाणा की जनता भाजपा का पूरी तरह सफाया करने का मन बना चुकी है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भी तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा की तीसरी सरकार भूपेंद्र सिंह हुड्डा व उनके बेटे की वजह से बनी। अभय चौटाला ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा को भी देख चुकी है और कांग्रेस को भी, अब हरियाणा इनेलो की सरकार चाहता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने जहां कॉलोनियां काटकर जनता को ठगा, वहीं कांग्रेस के राव दानसिंह ने दक्षिणी हरियाणा को कॉलोनियों के नाम पर लूटने का काम किया। नांगल चौधरी विधानसभा में चल रही आपसी खींचतान को उन्होंने घातक बताते हुए जनता से इससे ऊपर उठने और इनेलो का साथ देने की अपील की।

इनेलो की नीतियों का खाका रखते हुए अभय चौटाला ने कहा कि सरकार बनने पर हर घर से बेरोजगार को नौकरी दी जाएगी, भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जाएगा, बहन-बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, व्यापारी वर्ग को भयमुक्त माहौल मिलेगा और सभी गुंडों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। चौधरी देवीलाल द्वारा शुरू की गई पेंशन को दोगुना किया जाएगा।

नारनौल। अभय सिंह चौटाला व अन्य नेताओं का फूलमाला से स्वागत करते कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

### अभय चौटाला का जोरदार स्वागत किया

जाट सभा नांगल चौधरी की ओर से अभय चौटाला का जोरदार स्वागत किया गया। अभय चौटाला ने जाट सभा को 11 लाख रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा करते हुए कहा कि इनेलो की सरकार बनने पर समाज को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा ने कहा कि इनेलो के बढ़ते जनाधार व अभय चौटाला के मजबूत नेतृत्व को देखते हुए उन्होंने यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल व चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के गुण अभय चौटाला में पूरी तरह विद्यमान हैं। कांग्रेस आपसी फूट और भ्रष्टाचार के कारण खत्म हो चुकी है, उसके बड़े नेता जेल जाने की कगार पर हैं और भाजपा से जनता पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। राधेश्याम शर्मा ने कहा कि प्रदेश की 36 बिरादरी आज इनेलो के साथ खड़ी है और चौधरी अभय सिंह चौटाला ही हरियाणा के भविष्य के मुख्यमंत्री हैं। जनसभा में उमड़ा जनसैलाब इस बात का साफ संकेत था कि हरियाणा की राजनीति अब बदलाव के मोड़ पर खड़ी है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, पूर्व विधायक धर्मसिंह छोकर, पूर्व विधायक रणबीर मंडोला, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव, विजय चेयरमैन आदि मौजूद थे।

# राजकीय कन्या महाविद्यालय उन्हाणी में दो दिवसीय वार्षिक एथलेटिक मीट

- प्रथम दिन छात्राओं ने खेल मैदान में दिखाया उत्साह, अनुशासन व दमखम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

राजकीय कन्या महाविद्यालयए उन्हाणी में दो दिवसीय वार्षिक एथलेटिक मीट का शुभारंभ प्रथम दिन पूरे जोश, उत्साह एवं खेल भावना के साथ हुआ। यह आयोजन डॉ. सत्यजीत के मार्गदर्शन तथा खेल प्रभारी सुषमा यादव की कुशल अगुवाई में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रम सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पीके यादव पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय नाहड़ ने समारोह में शिरकत की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने ध्वज फहराकर एथलेटिक मीट का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर खेल प्रांगण में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं दौड़, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो आदि आयोजित की गई। जिनमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन तथा प्रतिस्पर्धात्मक भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्य डॉ. विक्रम सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि खेल गतिविधियां छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का निर्माण करती हैं। उन्होंने खेलों को व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

कनीना। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

# श्रीराधा कृष्ण संगठन ने निकाली 157वीं प्रभात फेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नगर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्रीराधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 157वीं प्रभात फेरी का आयोजन मोहल्ला बावड़ीपुर से श्रद्धा व उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर हरिप्रसाद मिस्त्री ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती कर यजमान की भूमिका निभाई तथा सभी उपस्थित भक्तों के मस्तक पर चंदन तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने एक स्वर में राधे राधे का जाप किया। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर गुरुद्वारे के सामने से होते हुए मोहल्ला पीरआगा की परिक्रमा करते हुए पुनः निवास स्थान पर ही संपन्न हुई। इस अवसर पर संगठन की ओर से बताया गया कि 25 जनवरी को प्रभात फेरी जोरासी धाम में आयोजित होने वाले 151 कुंडली महायज्ञ हेतु तैयार यज्ञशाला की परिक्रमा के साथ आयोजित की जाएगी।

इसके लिए शहर से पांच बसें महता चौक, राधा कृष्ण पार्क, सेन चौक, हुडा सेक्टर व जैन मांगलिक भवन से प्रातः 6:30 बजे रवाना होंगी। सभी श्रद्धालु धोती कुर्ता धारण कर हाथों में निशान लेकर इस भव्य प्रभात फेरी में सहभागिता करेंगे।

### श्रीश्याम मंदिर जोरासी धाम में 24 से 30 जनवरी तक आयोजित होगा 151 कुंडीय यज्ञ व श्रीराम कथा

निकलने वाली विशाल शोभायात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर

# श्रीराम कथा व शोभायात्रा को लेकर जनसंपर्क शहर की प्रमुख संस्थाओं को दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

श्रीश्याम मंदिर जोरासी धाम में 24 से 30 जनवरी तक आयोजित होने वाले 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ व श्रीराम कथा तथा इससे पूर्व निकलने वाली विशाल शोभायात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर है। यह कार्यक्रम आर्यव्रत सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया की ओर से आयोजित करवाया जाएगा। इसी कड़ी में कार्यक्रम के लिए टिंकू प्रधान ने शहर व जिले की धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक व व्यापारिक संस्थाओं के प्रमुख लोगों को व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण दिया। टिंकू प्रधान ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और जनभागीदारी का प्रतीक है। इसी उद्देश्य से शहर के सभी वर्गों व संगठनों को साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है।

निमंत्रण देने के दौरान श्रीराम हनुमान गुणगान मंडल, श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट, रामचरितमानस प्रचार मंडल, श्री गणेश उत्सव मंडल, मां चामुंडा देवी मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट, प्रभात फेरी संगठन, सड़क सुरक्षा संगठन, हरियाणा व्यापार मंडल सहित अनेक संस्थाओं से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया गया। इसके अलावा श्री रामेश्वरन परिवार, श्री कृष्ण कृपा जियो गीता परिवार, लखेरा समाज, सैनी सभा से प्रधान बिशन सैनी, रेडक्रॉस सोसायटी, हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी सदस्य तजिंद्र पाल सिंह, राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच हरियाणा से शंकरलाल सोनी, भगवान परशुराम सेवा संस्था से प्रभास छक्कड़ को भी निमंत्रण सौंपा गया।

नारनौल। शहर की प्रमुख संस्था को निमंत्रण देते हुए। फोटो : हरिभूमि

### इन्होंने जताया अपना समर्थन

शैक्षणिक संस्थानों में आईटीआई प्रिंसिपल विनोद खनगवाल, गर्ल्स कॉलेज प्रिंसिपल आरपी सिंह, बॉयज कॉलेज प्रिंसिपल राजबीर, पॉलिटेक्निक कॉलेज प्रिंसिपल अनिल यादव, गर्ल्स आईटीआई वाइस प्रिंसिपल सुरेश कुमारी, आर्यभट्ट एकेडमी व चाणक्य एकेडमी को भी कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया। साथ ही श्रीश्याम खाटू गोसेवा दल से दयानंद सोनी, श्री शांति दिगंबर जैन मंदिर व जैन समाज, श्रीश्याम सेवक संघ खाटू श्याम जी, मेड क्षत्रिय स्वर्णकार संघ, सर्राफा एसोसिएशन, नेमीचंद जैन, बाबा निहालचंद सेवादल पटीकरा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने आयोजन के प्रति अपना समर्थन जताया। टिंकू प्रधान ने विश्वास जताया कि सभी संस्थाओं की सहभागिता से यह आयोजन ऐतिहासिक, भव्य और प्रेरणादायी बनेगा तथा नारनौल की धार्मिक व सामाजिक एकता को नई दिशा देगा।

### हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल

# एनएच 148 बी पर कार ने गाड़ी को पीछे से मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नेशनल हाइवे 148 बी पर नीरपुर के पास बने अंडरपास के नजदीक वेरना कार ने आगे चल रही कार पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे आगे चल रही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि टक्कर मारने वाली कार का चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। हादसे में घायल युवक की पहचान नारनौल के हुडा सेक्टर एक निवासी पारस जैन के रूप में हुई है।

कार चालक शहरपुर निवासी विनोद कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पेशे से चालक है। बीते रोज वह एनएच-148 से गुजर रहा था, तभी पीछे से आ रही वेरना कार के चालक ने तेज गति, लापरवाही और गफलत से वाहन चलाते हुए उसकी कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के एयरबैग खुल गए और वाहन सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। हादसे में पारस जैन के पैर में फ्रैक्चर हो गया और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।

वहीं चालक विनोद कुमार के चेहरे पर भी चोटें आई हैं। यह दोनों उस कार में सवार थे, जबकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और किसी ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इसी दौरान राहगीरों की मदद से घायल पारस जैन को निजी वाहन से जिला नागरिक अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज जारी है। पीड़ित चालक का आरोप है कि टक्कर मारने वाली वेरना कार का चालक भीड़ का फायदा उठाकर अपनी कार को सुराना रोड पर खड़ा कर मौके से फरार हो गया।

इस हादसे में विनोद कुमार की कार को काफी नुकसान हुआ है और उसका ड्राइविंग लाइसेंस, नकदी व कुछ जरूरी कागजात भी वहीं मौके पर गिर गए। पीड़ित चालक ने सिटी थाने में शिकायत देकर आरोपित फरार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज और कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

नारनौल। पीछे से टक्कर लगने के बाद पेड़ से टकराई हुई कार। फोटो : हरिभूमि

## जनवरी महीने के अंत तक मौसम में देखने को मिलेगा बदलाव

# मौसम का मिजाज बदला, तापमान में बढ़ोतरी ने कड़ाके की ठंड से दिलाई राहत

**कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से ठंड के तेवर पड़े ढीले**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मौसम के मिजाज बदलाव आने लग गया है। जिससे धीरे धीरे तापमान में हल्की बढ़त देखने को मिल रही है। हालांकि मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील, लेकिन शुष्क बना हुआ है। सम्पूर्ण इलाके में अभी ठंड का असर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आंशिक बादलवाही के साथ तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले दो सप्ताह से हाड़कंपा देने वाली ठंड के सभी रंग रूप देखने को मिल रहे थे। जिसमें शीतलहर से गंभीर शीतलहर व पाला जमने की गतिविधियों को दर्ज किया जा रहा था, रात्रि पारा लुढ़क कर जमाव बिंदु व उसके आसपास बने हुए थे, लेकिन कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से ठंड के तेवरों को ढीला बना दिया है।

वर्तमान समय में अफगानिस्तान व उससे सटे पाकिस्तान के ऊपर एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जो चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में मौजूद है। सोमवार को यह पश्चिमी मौसम प्रणाली भारत के उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर पहुंच जाएंगी। इसके साथ ही उपोष्ण कटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम उत्तर-पूर्व भारत के ऊपर 140-150 नॉट की रफ्तार से बह रही है, जिसके कारण तापमान व ठंड की स्थिति में बदलाव देखने को मिल रहा है। सोमवार को दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है।

जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ में दिन तथा रात का तापमान क्रमशः 18.5 व 5.2 डिग्री सेल्सियस तथा 22.6 व 6.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक रहा। जिले में सोमवार को कमजोर पश्चिमी मौसम प्रणाली के असर से सुबह से ही बादलों की आवाजाही देखने को मिली।

नारनौल। आसमान में छाए बादल। फोटो : हरिभूमि

### बादलों की आवाजाही देखने को मिलेगी

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन मोहन ने बताया कि जनवरी महीने के अंत तक मौसम में आमतौर पर बदलाव देखने को मिलेंगा, क्योंकि बैक टू बैक (चार) पश्चिमी विक्षोभ की श्रृंखला उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होंगी। जिसकी वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में आने वाले दिनों में विशेषकर 22 जनवरी के बाद लगातार जनवरी के अंत व फरवरी महीने की शुरूआत तक बीच-बीच में बादलों की आवाजाही देखने को मिलेगी, साथ ही हल्की से मध्यम बारिश, कहीं बूंदाबांदी तथा तेज गति की हवाओं व गरज चमक के साथ एक दो स्थानों पर छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है। इसके बाद ठंड एक बार फिर से अपने तेवरों को दिखाएगी। हालांकि 19 व 20 जनवरी को कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बादलों की आवाजाही व छिटपुट बूंदाबांदी की सम्भावना है। कमजोर पश्चिमी मौसम प्रणालियों से लगातार नमी की मात्रा बढ़ने से अगर हवाएं शांत बनी रही, तो कहीं कहीं आंशिक कोहरा भी देखने को मिलेगा। सम्पूर्ण इलाके में रात्रि तापमान में और उछाल जारी रहेगी, जबकि दिन के तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिलेगी।

## खबर संक्षेप

### राम मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ 25 को

**महेंद्रगढ़।** श्री रामलीला परिषद द्वारा 25 जनवरी को भगवान श्रीराम अयोध्या मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ मनाएगी। रामलीला परिषद द्वारा प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस वर्ष 25 जनवरी को यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दिन प्रातः 6:15 बजे नगर में प्रभातफेरी निकाली जाएगी, प्रातः 10:15 बजे विद्वान पंडितों द्वारा हवन यज्ञ आयोजित किया जाएगा और उसके बाद प्रसाद वितरित किया जाएगा। भगवान राम सनातन का आधार है और उनके दिखाए मार्ग पर हम सबको चलना चाहिए। श्री रामलीला परिषद ने अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से इस कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की।

### दुकान पर काम करता नाबालिग अचानक लापता

**महेंद्रगढ़।** सतनाली रोड स्थित एक मिस्त्री की दुकान पर काम सीख रहा एक नाबालिग अचानक लापता हो गया है। नाबालिग के पिता ने सिटी पुलिस थाने में शिकायत देकर उसकी तलाश करने की मांग की है। पुलिस ने केस दर्ज कर बच्चे की तलाश करने में लगी हुई है।
नाबालिग के पिता शरीफ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव हुसैपुर थाना किशनगढ़ बास जिला खैरथल तिजारा राजस्थान का निवासी है। उसके दो लड़के हैं। बडा लड़का 17 वर्षीय है। उसका लड़का करीब दो महीने से सतनाली रोड पर जेसीबी वर्कशॉप पर गोपाल मिस्त्री के पास काम सिखता था। 16 जनवरी को सुबह के 07.30 बजे वर्कशॉप से बिना किसी को बताए अपनी मर्जी से कहीं चला गया, जिसको अब तक हम अपने तौर पर पता करते रहे, लेकिन लड़के का कोई पता नहीं चला। उसके लड़के का रंग सांवला, लंबा चेहरा, पतला शरीर, आसमानी रंग की जींस, नीले रंग का कोट, पैरो में काले रंग के जूते पहने है। उसका कद पांच फुट के आसपास है। सरीफ ने पुलिस से लड़के की तलाश करने की मांग की है।

## साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में हुई वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक

# वरिष्ठ नागरिकों ने की शहर की ज्वलंत समस्याओं का समाधान करने की मांग

**व्यापारी से पैसों का बैग छीनने वाले बदमाशों को तुरंत पकड़ा जाए व हो सख्त कार्रवाई**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में वरिष्ठ नागरिक संगठन कार्यालय में संगठन की मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने की। सबसे पहले जिन लोगों का जन्मदिन इस माह आता है, उनमें यादराम राव नंबरदार, बेगराज गोयल और नरेंद्र कुमार धौलिया को सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया।

बैठक में रामजीलाल मित्तल ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक के सामने एक व्यापारी से कुछ बदमाशों ने मारपीट की और उस व्यापारी से 36000 रुपये का बैग छीन ले गए। पुलिस प्रशासन से मांग है कि उक्त बदमाशों को तुरन्त पकड़ा जाए और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई इस तरह का दुस्साहस न कर सके। यादराम राव नंम्बरदार ने बताया कि शिवाजी नगर मोहल्ले में चार–पांच दिन से गंदे पानी की सप्लाई हो रही है, जिससे बीमारी फैलने की आशंका है। इसके साथ-साथ महाबीर चौक पाताली हनुमान मंदिर से प्राचीन हनुमान मंदिर तक सीवर ओवरफलो हो रहे हैं, जिससे मार्केट की गली में गंदा पानी भरा हुआ है। पूर्व पार्षद सुखीराम की गली में सीवर लाइन डालते समय रोड तो तोड़ा गया था, किन्तु सीवर लाइन डालने के बाद रोड पुनः नहीं बनाया गया, जिससे आए दिन कोई न कोई दुर्घटना होती रहती है। पब्लिक हैल्थ विभाग से मांग है कि वर्णित समस्याओं का तुरन्त निराकरण करें। इसके अतिरिक्त माल टिब्बा व नई बस्ती में हो रहे सीवर ओवरफ्लो को भी ठीक किया जाए।

नारनौल। वरिष्ठ नागरिकों को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

### यह रहे मौजूद

बैठक में विजय सिंह यादव रहीश, भागीरथ प्रसाद, सुरेश भारद्वाज, बद्रीप्रसाद गर्ग, रामजीलाल मित्तल, सुरेश जांगिड़, बिशन सिंह यादव, मास्टर जयदयाल, रामबिलास यादव, नरेंद्र कुमार धौलिया, वासुदेव गोगिया, देवीदयाल, सोहनलाल चौहान, रोहतास सिह लाम्बा, यादराम लम्बरदार, शिवलाल वर्मा, दयाराम सैनी, रविन्द्र कुमार चौधरी, उमादत्त शर्मा, उत्तमसिंह यादव व शेरसिंह आदि उपस्थित रहे।

### छलक नाले का अधूरा कार्य पूर्ण करवाएं

शिवलाल वर्मा ने बताया कि सरकारी कर्मचरियों के कैशलैश कार्ड तो बन गए हैं, लेकिन उनके अनुसार ईलाज नहीं हो रहा है। हरियाणा सरकार से अनुरोध है कि इन कैशलेस कार्ड पर ईलाज शुरू करवाए। छलक नाले का कार्य काफी दिनों से बंद पड़ा है। मुख्यमन्त्री द्वारा छलक नाले के लिए और बजट देने की घोषणा के बाद छलक नाले का कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है। इसलिए जिला प्रशासन से मांग है कि छलक नाले का अधूरा कार्य पूर्ण करवाए। आज की बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया।

## खबर संक्षेप

### अनुप्रिया स्थायी लोक अदालत की सदस्य नियुक्ति

**मंडी अटेली।** अटेली क्षेत्र के गांव फतेहपुर की बेटी अधिवक्ता अनुप्रिया स्थायी लोक अदालत के सदस्य के रूप में नियुक्ति हुई है। स्थाई लोक अदालत जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों के निपटारे का महत्वपूर्ण मंच है, जो परिवहन, डाक सेवाएं, बिजली की आपूर्ति, स्वच्छता, अस्पताल और बीमा से संबंधित मामलों को संभालती है। अधिवक्ता अनुप्रिया के पिता सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक हैं, जबकि उनके पति संजय यादव सिविल कोर्ट नारनौल में अधिवक्ता के रूप में प्रेक्टिस कर रहे हैं। अनुप्रिया ने अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उसके लिए एक बड़ा अवसर है। वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगी और जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों को सुलझाने में योगदान रहेगा। अनुप्रिया की नियुक्ति पर बार एसोसिएशन नारनौल एवं अटेली के वकीलों ने बधाई दी है।

### हस्ती देवी समिति का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

**महेंद्रगढ़।** ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने को लेकर श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति द्वारा गांव पायगा में चलाए जा रहा प्रशिक्षण शिविर संपन्न हो गया है। अब 19 को गांव बवानिया में इस शिविर का शुभारंभ होगा। शिविर का शुभारंभ 12:15 बजे गांव के शिव मंदिर में समिति अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव द्वारा किया जाएगा। शिविर के दौरान महिलाओं व युवतियों को निःशुल्क ब्यूटी पार्लर एवं क्रोशिया प्रशिक्षण दिया जाएगा। गौर हो कि गांव पायगा में पिछले एक महीने से चल रहे निशुल्क प्रशिक्षण शिविर संपन्न हो गया है। इस शिविर में गांव की 50 से अधिक महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ हैंडलूम आइटम बनाने और ब्यूटी पार्लर का हुनर सीखा है।

### अभय सिंह ने पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष का हालचाल जाना

**मंडी अटेली।** इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने इनेलो के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष लाला जगदीश प्रसाद गुप्ता के अटेली स्थित निवास पर पहुंचकर उनका हालचाल पूछा। जगदीश प्रसाद पिछले काफी समय से हृदय रोग से पीड़ित हैं और हाल ही में उनकी बायपास सर्जरी हुई है। अभय चौटाला ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि लाला जगदीश प्रसाद एक अनुभवी और कर्तव्यनिष्ठ नेता हैं, जिन्होंने समाज के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया है। उनके अनुभव और ज्ञान से पार्टी को हमेशा लाभ हुआ है। उन्होंने गुप्ता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि उनकी सेवाएं हमेशा याद रखी जाएंगी। इस मौके पर अधिवक्ता जसबीर सिंह ढिल्लो, युवा नेता बलजीत, पूर्व सरपंच वेदप्रकाश महासर, ताराचंद, हीरा सिंह, प्रीतम चंद, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, वेदप्रकाश गिरदावर, डॉ. धर्मपाल वर्मा, बजरंग लाल अग्रवाल, अतर सिंह यादव, कबूल सिंह, सियाराम सरपंच, महेंद्र, राजकुमार, वेदप्रकाश सरपंच, कैप्टन धर्मपाल, भरपूर सागरपुर, एडवोकेट सतवीर बड़ेसरा, छोटे लाल गहली, राजेंद्र सोनी, डॉ. सुनील ढुलोठ, बिल्लू चेयरमैन, डॉ. हरलाल, प्यारेलाल, नरेश स्वामी, भूपसिंह व कमलेश अग्रवाल सहित क्षेत्र के अनेक लोग मौजूद रहे।

### मेले में एक महिला का काटा मंगलसूत्र

**महेंद्रगढ़।** गांव पाली में बाबा जयराम दास के मेले में तीन अज्ञात महिला एक महिला का मंगलसूत्र काटकर ले गई। महिला ने थोड़ी देर बाद ही तीनों महिला की पहचान कर पुलिस के हवाले कर दी गई। पीड़ित ने महिला ने सदर पुलिस थाने में शिकायत देकर तीनों पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तीनों महिला के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव पाली निवासी महिला नेहा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 14 जनवरी को वह बाबा जयराम दास मंदिर पाली के मेले में गई हुई थी, जहां पर मंदिर में दर्शन करने उपरांत मेले में लगी दुकान से बच्चों के लिए खिलौने खरीदने लगी तो, उसके अगल-बगल में दो-तीन औरतें खड़ी हो गई और भीड़ का फायदा उठाकर गले से मंगल सूत्र काट लिया। जब तक उसे पता चला, वह तीनों औरत भीड़ का फायदा उठाकर आंखों से औझल हो गई।

# चुनाव को लेकर सैनी सभा ने जारी की सूचना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की अग्रणी संस्था सैनी सभा के त्रैवार्षिक चुनावों के संबंध में प्राप्त आवेदनों में कई सदस्यों की ओर से अपने परिवार के सभी वोट एक ही स्थान पर एकत्रित किए जाने का अनुरोध किया है। इस संबंध सभा प्रधान ने कहा कि बिशन सैनी ने कहा कि सिर्फ वही वोट एक ही स्थान पर एकत्रित किए जाएंगे, जिनके परिवार के सभी सदस्य एक ही फैमिली आईडी में दर्ज होंगे।

वहीं अलग–अलग फैमिली आईडी में दर्ज सदस्यों के वोट एकत्रित नहीं किए जाएंगे। ऐसे सभी इच्छुक सदस्य, जिनकी फैमिली आईडी में परिवार के सभी सदस्य सम्मिलित हैं, वह अपने आवेदन पत्र व फैमिली आईडी की प्रति 25 जनवरी शाम पांच बजे तक सैनी सभा कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा करवा दें।

आवेदन फार्म सैनी सभा कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। निर्धारित समय सीमा के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है कि चुनाव प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

# महेंद्रगढ़ में बाड़मेर-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन का होगा ठहराव : सांसद धर्मबीर

- बाड़मेर–हावड़ा एक्सप्रेस के ठहराव से क्षेत्रवासियों को लंबी दूरी की यात्रा में सुविधा मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

ट्रेन से न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह बात भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने बाड़मेर–हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव कार्यक्रम के आयोजन पर बतौर मुख्य अतिथि बोलते समय कही। इस अवसर पर विधायक कंवर सिंह यादव व एडीएम कनिका गोयल भी उपस्थित रहे। सांसद ने कहा कि बाड़मेर–हावड़ा एक्सप्रेस के ठहराव से क्षेत्रवासियों को लंबी दूरी की यात्रा में बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह इस क्षेत्र की लंबे समय से मांग थी जो उनके प्रयासों से पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने में यह अहम कदम है। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि इस ट्रेन के ठहराव से महेंद्रगढ़ सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए जनता को बधाई दी।

महेंद्रगढ़। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को संबोधित करते चौधरी धर्मवीर सिंह।

### ये रहे मौजूद

जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, सुण्डाराम ट्रस्ट से संदीप कुमार, पवन खैरवाल, सरपंच देशराज सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

### रास्ता बंद करने पर जताया रोष

**कनीना।** कनीना में नवनिर्मित लघु सचिवालय के पीछे बनी कॉलोनी का रास्ता बंद किए जाने को लेकर रविवार को कॉलोनी वासियों ने लघु सचिवालय के पास बनाए जा रहे पानी के टैंकर को लेकर अपना विरोध जताया। कॉलोनी निवासियों का कहना था कि यहां पर रास्ता था, जो प्रशासनिक सहमति से बनाया गया था और कॉलोनी के सभी नागरिक यहां से गुजरते थे। जब लघु सचिवालय का निर्माण कार्य आरंभ हुआ, तब इस रास्ते पर प्रशासनिक अधिकारियों ने आवागमन जारी रखने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब निर्माण अधीन लघु सचिवालय का निर्माण संपन्न हो रहा है। ऐसे में वहां पर पानी का टैंक बनाकर रास्ते को बंद किया जा रहा है। जिसको लेकर कॉलोनी निवासियों में प्रशासन के प्रति गहरा रोष है। उन्होंने रास्ता नहीं छोड़ने की सूरत पर धरना दिए जाने की चेतावनी दी है। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि इस कॉलोनी का यह रिकॉर्ड में कोई रास्ता नहीं है, उनका रास्ता घूमकर कहीं दूसरे तरफ से आ रहा है। जिसको लेकर कॉलोनी वासियों व प्रशासन में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कॉलोनी वासी धरना देने की तैयारी कर रहे हैं।

कनीना। कॉलोनी का रास्ता नहीं छोड़े जाने को लेकर नाराजगी जताते लोग।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

## रक्तदान शिविर — जैन मांगलिक भवन तालाब बहादुर सिंह में लगाया 41वां रक्तदान शिविर

# नीडी हेल्प ग्रुप के शिविर में 87 यूनिट रक्त एकत्रित

- रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता है, यह तो मानव शरीर से उत्पन होता है : मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप, गोगिया जनसेवा ग्रुप, व छोटी कांशी जनसेवा संगठन कमानिया के संयुक्त तत्वावधान में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष गोगिया व पार्थ पुत्र हिमांशु गोयल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में जैन मांगलिक भवन तालाब बहादुर सिंह में रविवार को 41वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि आर्या अरुणा जांगड़ा पत्नी पूर्व उपप्रधान नगर परिषद मनोज जांगड़ा रही। वही विशिष्ट अतिथि जिला प्रधान हरियाणा व्यापार मंडल वैद्यकिशन वशिष्ठ, उप प्रधान वरिष्ठ नागरिक संगठन विजय रहीश, वीरेंद्र दिवान, सुरेंद्र बहल, कुणाल सोनी, आशीष यादव, अजीत सर्राफ प्रधान दिगम्बर जैन, भारत भूषण वालिया, पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा, डॉ. प्रदीप कुमार एडीओ रहे। इस अवसर पर आयोजित शिविर में 87 यूनिट एकत्रित की गई। जिसे ब्लड बैंक नागरिक अस्पताल की टीम को सुपुर्द किया गया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनता है। यह तो मानव शरीर से उत्पन होता है। विशिष्ट अतिथियों ने सभी रक्तवीर योद्धाओं का धन्यवाद किया। जिन्होंने अपनी इच्छानुसार रक्तदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदनलाल गोगिया पूर्व उपाध्यक्ष भाजपा मंडल ने की। वैद्यकिशन वशिष्ठ ने कहा कि संस्था की ओर से अनेक कार्य किय जा रहे है। जिसमें मुख्य कार्य रक्तदान व कन्यादान है।

रक्तदान शिविर में आए सभी अतिथियों को संस्था के साथियों ने पटका पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सभी रक्तवीरों को कॉफी कप व पलहार भेंट किए। संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष गोगिया ने साथियों, सहयोगियों, रक्तवीर योद्धाओं व महिला विरांगना का आभार प्रकट किया। जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। रक्तवीर मनीष गोगिया के जन्मदिन के उपलक्ष्य में लगाए गए शिविर में सैकड़ों युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया, लेकिन किसी कारण टीम ने 87 यूनिट ही रक्त लिया।

नारनौल। शिविर में रक्तदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

### यह रहे मौजूद

मनीष गर्ग, मनीष गोगिया, मदनलाल गोगिया, अनिल शर्मा, रवि खन्ना, राकेश सेकवाल, नवीन हरियाणवी, राघव गोगिया, हर्षित गोगिया, सुनील गोयल, निहाल सिंह प्रधान, जयप्रकाश गोयल, तुलसी गोयल, निखिल जैन, सुनीत अग्रवाल, मनोज सेकवाल, बंटी ठेकेदार, दिनेश जेलदार, दीपक यादव, नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी, राजकुमार चौधरी, कृष्ण आर्या आदि मौजूद थे।